This question paper contains **8** printed pages]

Your Roll No .....

7863

LL.B./III Term **E**

Paper LB-3036 : PUBLIC INTERNATIONAL LAW–II

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 100

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. (*a*) What is an international dispute ? Can the International Court of Justice decide a legal dispute between two states if at the same time there is also a political dispute between them ? Refer relevant case laws.

(*b*) "All members shall settle their international disputes by peaceful means in such a manner that international peace and security, and justice, are not endangered." Briefly discuss negotiation and mediation as means of settlement of international disputes. Point out *two* similarities and differences between them.

(*a*) अन्तर्राष्ट्रीय विवाद क्या होता है ? क्या अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय दो राज्यों के बीच विधिक विवाद तब भी विनिश्चित कर सकता है जब उसी समय दोनों के

बीच राजनीतिक विवाद भी है ? सुसंगत निर्णय विधि निर्दिष्ट कीजिए।

(*b*) सभी सदस्य अपने अन्तर्राष्ट्रीय विवादों को शान्तिपूर्ण उपायों से इस रीति से सुलझाएँगे कि अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा तथा न्याय खतरे में न पड़े। अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के समझौतों के साधन के रूप में वार्तालाप तथा मध्यस्थता का संक्षिप्त विवेचन कीजिए। इसके बीच **दो** समरूपताओं तथा भिन्नताओं का उल्लेख कीजिए।

2. Discuss the development of arbitration as a means of settlement of international disputes. Refer relevant case laws.

अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारे के साधन के रूप में माध्यस्थम के विकास का विवेचन कीजिए। सुसंगत निर्णय विधि को निर्दिष्ट कीजिए।

3. "The International Court of Justice is the principal judicial organ of the United Nations." Discuss how states confer jurisdiction on the international court of justice with special emphasis on the 'unilateral method' of conferring jurisdiction under Article 36(2) of its statute. Refer relevant case laws to explain the effect of 'reservation clause' in conferring such jurisdiction.

''अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रधान न्यायिक अवयव है।'' विवेचन कीजिए किस प्रकार राज्य इसकी संविधि के अनुच्छेद 36(2) के तहत अधिकारिता प्रदान करने की एकपक्षीय पद्धति पर विशेष बल सहित अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय को अधिकारिता प्रदान करते हैं। उक्त अधिकारिता को प्रदान करने में 'आरक्षण खण्ड' के प्रभाव को स्पष्ट करने के लिए सुसंगत निर्णय विधि को निर्दिष्ट कीजिए।

4. Critically discuss the role of the Security Council in settlement of international disputes as provided under chapter VII of the Charter of the United Nations.

संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अध्याय VII के अन्तर्गत यथाउपबंधित अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के समाधान में सुरक्षा परिषद् की भूमिका का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए।

5. (*a*) Who is a combatant under the Geneva Convention of 1949 ? Discuss the provisions relating to the treatment of the prisoners of war under it.

(*b*) What is a civilian population as per the Geneva Convention of 1949 ? Discuss the rights of civilians under the international humanitarian law.

(*a*) जेनेवा कन्वेंशन, 1949 के अधीन योधक कौन है ? इसके अन्तर्गत युद्ध-बंदियों के प्रति व्यवहार के सम्बन्ध में उपबंधों का विवेचन कीजिए।

(*b*) जेनेवा कन्वेंशन, 1949 के अनुसार सिविलियन जनसंख्या क्या है ? अन्तर्राष्ट्रीय मानवतावादी विधि के अधीन सिविलियनों के अधिकारों का विवेचन कीजिए।

6. Discuss the jurisdiction of the international criminal court as per the Rome statute. How is the jurisdiction of the court invoked ? Discuss the complementarity principle.

रोम संविधि (Statute) के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय दण्ड न्यायालय की अधिकारिता का विवेचन कीजिए। न्यायालय की अधिकारिता का अवलंब किस प्रकार लिया जाता है ? सम्पूरकता सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

7. Discuss the relationship between individual criminal responsibility and command responsibility under the International Humanitarian Law. Refer to the observations of any relevant international criminal tribunal.

अन्तर्राष्ट्रीय मानवतावादी विधि के तहत वैयक्तिक आपराधिक उत्तरदायित्व तथा कमांड उत्तरदायित्व के बीच सम्बन्धों का विवेचन कीजिए। किसी सुसंगत अन्तर्राष्ट्रीय दण्ड अधिकरण की टिप्पणियों को निर्दिष्ट कीजिए।

8. Write short notes on any *two* :

(*a*) Legality of the use of force in self-defense as provided in the Charter of the United Nations

(*b*) Limits on the choice of methods and means of warfare

(*c*) Doctrine of Forum Prorogatum

(*d*) International armed conflict and non-international armed conflict.

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*a*) संयुक्त राष्ट्र चार्टर में यथाउपबंधित आत्म-रक्षा में बल के प्रयोग की विधिकता

(*b*) युद्धकर्म की पद्धतियों तथा साधनों के चयन की सीमाएँ

(*c*) Forum Prorogatum का सिद्धान्त

(*d*) अन्तर्राष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष और अन्तर्राष्ट्रीयेतर सशस्त्र संघर्ष।